हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शनिवार 20 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण में कई स्कूल बंद मिले, छात्रवृत्ति पंजीयन एवं आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा

मण्डला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशानुसार क्षेत्रीय संयोजक विष्णु सिंगौर द्वारा विकासखंड बीजाडांडी अंतर्गत प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक शाला कंटगी, माध्यमिक शाला कंटगी तथा माध्यमिक शाला चौरई बंद पाई गईं। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोंडी नगरार के निरीक्षण में संकुल प्राचार्य सुश्री आरती कोल, सुश्री साक्षी शुक्ला (उच्च माध्यमिक शिक्षक), श्री मोहनलाल धुर्वे एवं श्री महेंद्र मसराम (माध्यमिक शिक्षक) उपस्थित पाए गए। वहीं श्री दयाराम मार्को एवं श्री दलपत पावले (प्राथमिक शिक्षक) अनुपस्थित मिले। निरीक्षण के दौरान छात्रवृत्ति के लिए अनिवार्य वन टाइम रजिस्ट्रेशन की भी समीक्षा की गई। संकुल पंजी के अनुसार उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोंड़ी नगरार में 408 विद्यार्थियों में से 67, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कालपी में 341 विद्यार्थियों में से 33 तथा हाईस्कूल छिंदगांव के 25 विद्यार्थियों का पंजीयन लंबित पाया गया। इस पर संकुल प्राचार्य सुश्री आरती कोल को निर्देशित किया गया कि छात्रवृत्ति के लिए सभी विद्यार्थियों की प्रोफाइल अद्यतन कर अनुमोदन एवं स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण कराएं तथा तीन दिवस के भीतर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोंड़ी नगरार के निरीक्षण के दौरान विद्यालय की आधारभूत सुविधाओं का भी अवलोकन किया गया।

बच्चों का भविष्य गढ़ने में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण-कलेक्टर

विद्यार्थी कच्ची मिट्टी तो शिक्षक माटीशिल्प

*** सिंगारपुर विद्यालय का कलेक्टर ने किया निरीक्षण।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मोहगांव विकासखंड के प्रवास पर पहुंचे कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने शुक्रवार को शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सिंगारपुर का निरीक्षण कर शिक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद किया, अध्यापन कार्य का अवलोकन किया तथा शिक्षकों से विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में आत्मीय चर्चा करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय भ्रमण के पश्चात प्राचार्य कक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने शिक्षकों को कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाले कर्मचारी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के वास्तविक शिल्पकार हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक माटीशिल्पी हैं और विद्यार्थी कच्ची मिट्टी। जिस प्रकार एक कुशल शिल्पकार मिट्टी को सुंदर आकार देकर उत्कृष्ट कलाकृति का निर्माण करता है, उसी प्रकार शिक्षक अपने ज्ञान, संस्कार और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। बच्चों को जो दिशा और आकार आज मिलेगा, वही भविष्य में समाज और राष्ट्र का स्वरूप तय करेगा।

कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि बच्चों में नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और आत्मविश्वास का विकास करना भी है। इसके लिए शिक्षकों को विद्यार्थियों की व्यक्तिगत क्षमताओं और आवश्यकताओं को समझते हुए कार्य करना होगा। उन्होंने विशेष रूप से कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें अतिरिक्त मार्गदर्शन देने तथा नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाने पर बल दिया।

उन्होंने विद्यालय परिसर एवं कार्यालय की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण बच्चों के सर्वांगीण विकास और बेहतर शिक्षण प्रक्रिया के लिए अत्यंत आवश्यक है। स्वच्छ एवं प्रेरणादायी विद्यालय परिसर विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है तथा सीखने की क्षमता को बढ़ाता है।

कलेक्टर श्री धोटे ने प्राचार्य एवं शिक्षकों को नियमित रूप से विद्यार्थियों के पालकों से संपर्क करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय और परिवार के बीच मजबूत संवाद स्थापित होने से बच्चों की वास्तविक परिस्थितियों, उनकी समस्याओं एवं शैक्षणिक जरूरतों को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। पालकों की सहभागिता से शिक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाया जा सकता है।

निरीक्षण के दौरान सिंगारपुर की सरपंच श्रीमती अंजली मार्को, एसडीएम घुघरी श्री सचिन जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मोहगांव, विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहगांव, विद्यालय के प्राचार्य तथा समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

स्कूल परिसर में कथित गांजा पौधे की सूचना से मचा हड़कंप, जांच की मांग तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले के विकासखंड नारायणगंज अंतर्गत संचालित शासकीय एकीकृत हाईस्कूल परिसर में मुख्य द्वार के समीप कथित रूप से गांजा का पौधा लगे होने की सूचना सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा सच्चाई सामने लाने की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय के मुख्य गेट के पास एक पौधा लगा हुआ है, जिसे कुछ लोगों द्वारा गांजा का पौधा बताया जा रहा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक किसी सक्षम विभाग द्वारा नहीं की गई है। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि यदि यह वास्तव में गांजा का पौधा है तो यह गंभीर विषय है, क्योंकि विद्यालय परिसर बच्चों की शिक्षा और संस्कार का केंद्र होता है।

कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि वे स्वयं ऐसे पौधों की पहचान करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए वन विभाग अथवा संबंधित विशेषज्ञों द्वारा इसकी जांच कराई जानी चाहिए। लोगों का कहना है कि बिना वैज्ञानिक परीक्षण और विभागीय पुष्टि के किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा।

सूत्रों के अनुसार मामले की जानकारी संबंधित विभागों तक पहुंचाई गई है। वहीं कुछ लोगों ने विद्यालय परिसर और अन्य शासकीय संस्थानों के आसपास संदिग्ध पौधों की समय-समय पर जांच किए जाने की आवश्यकता भी जताई है।

क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि प्रशासन, शिक्षा विभाग एवं वन विभाग संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण कर पौधे की वास्तविक पहचान सुनिश्चित करें। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

फिलहाल पूरे मामले की सत्यता विभागीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी, लेकिन विद्यालय जैसे संवेदनशील परिसर में ऐसी सूचना सामने आने से अभिभावकों और नागरिकों में चिंता का माहौल है। प्रशासन से शीघ्र जांच कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने की अपेक्षा की जा रही है।

कलेक्टर ने देखी सामुदायिक पोषण वाटिका, मार्केट लिंकेज पर दिया जोर

*** सकरी में सफेद पलाश समूह की महिलाओं से जमीन पर बैठकर ली जानकारी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने शुक्रवार को मोहगांव विकासखंड की ग्राम पंचायत कौआडोंगरी के ग्राम सकरी का भ्रमण किया। यहाँ उन्होंने सफेद पलाश आजीविका स्व-सहायता समूह द्वारा मनरेगा के अभिसरण से संचालित सामुदायिक पोषण वाटिका का विस्तृत निरीक्षण किया। कलेक्टर ने वाटिका में लगे आम के बगीचे, जल कुंड, अरहर की फसल, सब्जी की क्यारियों, नाडेप पिट समेत अन्य गतिविधियों का बारीकी से अवलोकन किया।

झोपड़ी में जमीन पर बैठकर की चर्चा

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री धोटे समूह की महिलाओं के साथ वाटिका के भीतर बनी झोपड़ी में जमीन पर बैठे। उन्होंने महिलाओं से वाटिका की जमीन तैयार करने से लेकर फलदार पौधों के रोपण, सब्जी उत्पादन के लिए बीज प्रबंधन और उत्पादित फसल के विक्रय के लिए बाजार व्यवस्था तक की बेसिक जानकारी ली। समूह की महिलाओं ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2022 में यह वाटिका तैयार करना शुरू किया था। मनरेगा से तकनीकी व वित्तीय मदद मिली, साथ ही समूह ने कैश क्रेडिट लिमिट के जरिए बैंक से ऋण लेकर काम आगे बढ़ाया। वर्तमान में इस समूह से 12 दीदियाँ जुड़ी हैं और सभी मिलकर वाटिका का संचालन कर रही हैं।

उत्पादन के बाद मार्केट लिंकेज सबसे जरूरी

कलेक्टर श्री धोटे ने आम के विक्रय की स्थिति की जानकारी लेते हुए कहा कि फसल का उत्पादन करने के बाद सबसे महत्वपूर्ण भाग उसका मार्केट लिंकेज है। उन्होंने एसडीएम घुघरी को निर्देशित किया कि वे उद्यानिकी, कृषि, आजीविका मिशन और मंडी के अधिकारियों के साथ संयुक्त विजिट प्लान करें। सभी विभागों के समन्वय से समूह के उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराया जाए, ताकि महिलाओं को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल सके।

औषधीय पौधों की खेती का दिया सुझाव

चर्चा के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने महिलाओं को फल तथा सब्जी की खेती के साथ-साथ औषधीय पौधों की खेती अपनाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि औषधीय फसलों की बाजार में अच्छी मांग है और इससे समूह की आय बढ़ सकती है। भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने वाटिका में लगे आम्रपाली आम और जामुन का स्वाद भी चखा और गुणवत्ता की सराहना की।

इस अवसर पर एसडीएम घुघरी सचिन जैन, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक तथा प्रदान संस्था की टीम मौजूद रही। कलेक्टर श्री धोटे ने समूह के प्रयासों की तारीफ करते हुए कहा कि यह मॉडल अन्य समूहों के लिए भी प्रेरणादायी है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने जनपद पंचायत भुआ बिछिया में आयोजित हुई कृषक संगोष्ठी

भुआबिछिया। जनपद पंचायत भुआ बिछिया में आज प्राकृतिक खेती के अंतर्गत कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कृषक संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करना, रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा भूमि की उर्वरा शक्ति को सुरक्षित रखने के उपायों पर चर्चा करना था। कार्यक्रम में किसानों को बताया गया कि प्राकृतिक खेती अपनाकर मिट्टी की गुणवत्ता को संरक्षित किया जा सकता है तथा भूमि को बंजर होने से बचाया जा सकता है। साथ ही पारंपरिक एवं प्रकृति आधारित खेती पद्धतियों को पुनः अपनाने पर भी जोर दिया गया। संगोष्ठी में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि प्राकृतिक खेती न केवल किसानों की लागत कम करती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं मानव स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। किसानों से आह्वान किया गया कि वे अपनी पुरानी प्राकृतिक कृषि परंपराओं को अपनाते हुए टिकाऊ खेती की दिशा में आगे बढ़ें। कार्यक्रम में डॉ. विजय आनंद मरावी, भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज भट्ट, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सकुना उइके, कृषि विकास विभाग मंडला से डॉ. कृष्णा कुमार राणा सहित कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

फार्मासिस्टों का अनोखा विरोधः काली पट्टी बांधकर किया रक्तदान

*** 11 यूनिट ब्लड डोनेट कर पेश की मिसाल।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

अपनी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने शुक्रवार को एक अनूठे एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। फार्मेसी काउंसिल भोपाल में लंबित रजिस्ट्रेशन, प्रशासनिक अव्यवस्थाओं एवं फार्मासिस्टों के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया और साथ ही रक्तदान शिविर आयोजित कर समाज सेवा का संदेश भी दिया।

कार्यक्रम के दौरान संगठन के सदस्यों ने कुल 11 यूनिट रक्तदान कर यह साबित किया कि अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ते हुए भी समाज के प्रति दायित्वों को निभाया जा सकता है। उपस्थित लोगों ने इसे प्रदेश के फार्मासिस्ट संगठनों द्वारा किए गए सबसे सकारात्मक और प्रेरणादायक विरोध प्रदर्शनों में से एक बताया।

एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश मीडिया प्रभारी राजवीर त्यागी ने मध्य प्रदेश पीसीआई की रजिस्ट्रार श्रीमती भाव्या त्रिपाठी को संगठन की ओर से ज्ञापन देते हुए कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों से भोपाल आने वाले फार्मासिस्टों को रजिस्ट्रेशन एवं अन्य कार्यों में लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पीसीआई में लंबे समय से चुनाव प्रक्रिया लंबित पड़ी है चुनाव जल्द से जल्द कराने के लिए उनका ध्यान आकर्षित किया। पीसीआई रजिस्ट्रार श्रीमती भाव्या त्रिपाठी ने इन सभी विषयों पर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। संगठन लंबे समय से इन समस्याओं के समाधान की मांग कर रहा है, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण यह शांतिपूर्ण एवं सामाजिक विरोध पीसीआई की कार्य प्रणामी के विरोध आयोजित किया गया।

भोपाल जिला अध्यक्ष राहुल नगायच एवं जिला सचिव सोहित लाल ने बताया कि संगठन का उद्देश्य किसी प्रकार का टकराव नहीं बल्कि फार्मासिस्टों की समस्याओं को प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। रक्तदान शिविर के माध्यम से संगठन ने यह संदेश दिया कि समाज सेवा और अधिकारों की लड़ाई साथ-साथ चल सकती है।

भोपाल संगठन मंत्री राज सिंह बघेल ने प्रशासन से फार्मासिस्टों की लंबित समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने की मांग करते हुए कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो भविष्य में भी लोकतांत्रिक एवं सकारात्मक तरीके से उग्र आंदोलन कर आवाज उठाई जाएगी।

कार्यक्रम में उपस्थित फार्मासिस्टों ने एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा एवं पेशे के सम्मान के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। रक्तदान शिविर ने विरोध प्रदर्शन को एक नई पहचान दी और उपस्थित लोगों ने इसे "सेवा के साथ संघर्ष" का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

विरोध प्रदर्शन में संगठन के पदाधिकारीयों के साथ-साथ फार्मासिस्ट सिद्धम जैन, योगेश श्रीवास्तव, मयंक सिंह, प्रवेश पांडे, अनुज सिंह, अंकित यादव, विजय द्विवेदी, प्रतीक चौधरी, अनुज प्रताप सिंह के साथ कई अन्य साथियों ने रक्तदान किया एवं उपस्थित रहे। संगठन ने ब्लड डोनेशन के लिए रेड क्रॉस सोसाइटी से डॉक्टर सतेंद्र सिंह बघेल सहित समस्त चिकित्सक स्टाफ एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी का आभार व्यक्त किया जिनके सहयोग से ब्लड डोनेशन कैंप संभव हुआ।

अनदेखी | समतलीकरण के नाम पर मिट्टी डालकर छोड़ा खेल मैदान।

बारिश में बच्चों की सुरक्षा पर मंडराया खतरा

*** विद्यार्थियों को खेलने एवं आने-जाने में हो रही दिक्कत।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

विकासखंड नारायणगंज स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सामने खेल मैदान का समतलीकरण कार्य पंचायत ने तो करा दिया गया, लेकिन निर्माण एजेंसी द्वारा मैदान में केवल पीली मिट्टी डालकर कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में यह मैदान कीचड़ से भर सकता है, जिससे बच्चों को खेलकूद और विद्यालय आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

जानकारी के अनुसार विद्यालय के सामने स्थित खेल मैदान का समतलीकरण इस उद्देश्य से कराया गया था कि छात्राओं को बेहतर एवं सुरक्षित खेल सुविधा उपलब्ध हो सके। साथ ही बड़ी संख्या में विद्यार्थी इसी मैदान से होकर विद्यालय पहुंचते हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि मैदान में केवल पीली मिट्टी डालकर समतलीकरण कर दिया गया है, जबकि कार्य के दौरान निर्माण एजेंसी ने आश्वासन दिया था कि मिट्टी डालने के बाद मैदान में मुरूम एवं डस्ट बिछाकर रोलर से दबाया जाएगा, जिससे मैदान मजबूत और उपयोगी बन सके।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि समतलीकरण कार्य को कई महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक मैदान में न तो मुरूम डाली गई है और न ही डस्ट बिछाकर रोलर चलाया गया है। ऐसे में बारिश शुरू होते ही मैदान में कीचड़ होने की पूरी संभावना है, जिससे बच्चों के फिसलकर घायल होने का खतरा बढ़ जाएगा।

स्थानीय नागरिकों एवं अभिभावकों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल मैदान में मुरूम एवं डस्ट डलवाकर रोलर से समतलीकरण का कार्य पूर्ण कराया जाए, ताकि खेल मैदान अपने उद्देश्य के अनुरूप उपयोगी और सुरक्षित बन सके। अन्यथा यह अधूरा कार्य विभागीय लापरवाही का उदाहरण बनकर बच्चों की सुरक्षा पर लगातार सवाल खड़े करता रहेगा।

खबर संक्षेप

गारंटी पीरियट तक भी नहीं चल पाई प्रधानमंत्री योजना की सड़क?

गाडरवारा। जब क्षेत्र में सड़कों का विकास होता है तो लोग खुशी के मारे फूले नही समाते है उन्हें लगता है कि गांवों में हो रहे सड़को के निर्माण से उनके बच्चों को रोजगार के अवसर पढ़गे? मगर उनकी खुशी चंद दिनों पूर्व बनी सड़कों की दुर्दशा को देखकर रह जाती है कि चंद दिनों पूर्व बनी सड़क टूटना शुरू हो जाती है? इस बात की सच्चाई वर्तमान में चंद वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत ग्राम मगरमुहा से कान्हरगांव तक तथा ग्राम कान्हर गांव से महगंवा खुर्द सड़क में देखने मिल रही है। सड़क की सच्चाई को लेकर बताया जाता है कि यह सड़क अपने गारंटी पीरियट को भी पूरा नही कर पाई ओर खुदना शुरू हो गई है? जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत जब किसी सड़क का निर्माण होता है तो निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी की उस सड़क के टूट फूट व रख रखाब करने के लिए पांच वर्ष की गारंटी होती है? मगर इस सड़क को अभी मुश्किल से शायद पूरे पांच वर्ष भी नही हो पाये थें और सड़क टूटने लगी थी? टूट रही इस सड़क को लेकर क्षेत्र के लोगों का कहना है कि जब इस सड़क का निर्माण एजेन्सी द्वारा निर्माण कार्य हो रहा था, तभी उसकी गुणवत्ता पर सबाल उठाये जा रहे थें। मगर संबंधित विभाग में बैठे अधिकारियों की उदासीनता के चलते सड़क का निर्माण कार्य तो हो गया है, जो आज निर्माण के चंद दिनों बाद टूटना ही शुरू हो गया है? वही इस सड़क निर्माण के दौरान जो मिट्टी का उपयोग किया गया था, वह भी अवैध उत्खन्न की शिकायते हुई थी, मगर अधिकारियों द्वारा ध्यान नही देने के कारण जो गुणवत्ता हीन सड़क का निर्माण हुआ है, वह अब चंद दिनों में ही टूटना शुरू हो गई है? वही सीमेन्ट से बनाई गई कुछ पुलियों की स्थिति तो इस प्रकार से है कि पुरानी पुलियों पर ही लीपापोती करते हुए उन्हें नई बता डाली हे, उसमें भी दरारे दिखाई देना शुरू हो गया है।

मुक्ति धाम के लिए पक्का पहुंच मार्ग नहीं होने से लोग होते हैं परेशान

साईखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा लोगों को सुविधांए प्रदान करने के उद्देश्य से विकास किये जा रहे है। मगर वही दूसरी ओर इस समय देखा जा रहा है कि दादा धूनी वालों की नगर निवास लोग अनेक प्रकार के परेशानियों से जूझते हुए नजर आ रहे है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नपा पंचायत द्वारा अपना कार्यकाल तो पूर्ण कर लिया गया है। मगर नगवासियों की सुविधाओं की ओर ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि लोग इस दुनिया से बिदा होने के बाद जिस रास्ते से निकलते है वह रास्ता भी उन्हें सुविधाजन नही मिल पा रहा है? बताया जाता है कि साईंखेड़ा के मुक्तिधाम के लिये जाने के लिये पक्की सड़क का निर्माण नही होने के कारण जब लोग किसी व्यक्ति का अंतिम संस्कार करने के लिए जाने तो है तो उन्हें कच्चे मार्ग से जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है, इतना ही नही बरसात के दिनों में मुक्तिधाम जाना कारगिल फतह से कम नही होता है? क्योंकि मुक्तिधाम के पास ही शांति नगर ,कन्या छात्रावास है जिसके लिये रोड की आवश्यकता है। लेकिन इस ओर न तो नपा द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही अन्य किसी जनप्रतिनिधियों के द्वारा जिसके चलते जहां अपने जिन्दगी के अंतिम पडाव में लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिसके चलते नगरवासियों द्वारा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से इस ओर ध्यान देने की अपेक्षा जताई गई है।

गंदगी के बीच हो रही जल सप्लाई से फैल सकती है बीमारियां

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा लोगों को शुद्व पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिवर्ष करोड़ो रूपया खर्च करते हुए गांव गांव जल सप्लाई व्यवस्था की जा रही है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि पंचायतों की उदासीनता के चलते ग्रामीणों को दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत कुछ गांवों में देखने मिली रही है जहां पर पंचायत की उदासीनता के चलते ग्रामवासियों के घरों में दूषित पानी पहुंचने की संभावना स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है?

जून की तपिश में स्कूल खुले, पढ़ाई से ज्यादा बच्चों की सेहत की चिंता

भीषण गर्मी में शुरू हुआ नया शिक्षा सत्र, पढ़ाई से ज्यादा बच्चों की सेहत की चिंता, अभिभावकों में बढ़ी बेचैनी

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। प्रतिवर्ष देखा जाता है कि सही मायने में नये शिक्षा सत्र की शुरूआत 1 जुलाई से होती है। यह बात अलग है कि शासन द्वारा कुछ फेर बदल करते हुये इसकी शुरूआत 16 जुलाई से कर दी गई जिसके चलते शिक्षण संस्थाओं में रौनक तो दिखाई देना शुरू हो चुकी है। मगर इस साल आधा जून माह निकल जाने के बाद भी मानसून की मेहरवानी नही होने के कारण जहां सूरज तक तपन लोगों को बेहाल करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। इसी के चलते न तो स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई हो पा रही है और न ही शिक्षक पढ़ा पा रहे है। इस स्थिति में निश्चित तौर से शासन का 16 जुलाई से नये शिक्षा सत्र शुरू करने की घोषणा मात्र औपचारिकता के साथ साथ मासूमो की जिन्दगी को खतरे में डालने के समान प्रतीत होने से नही चूक रहा है। क्योंकि हर साल के अनुसार यह आषाढ़ माह है अधिमास के कारण अभी ज्येष्ठ माह की चल रहा है। वैसे भी बैशाख व ज्येष्ठ माह के दौरान सूर्य भगवान अपने तेवर दिखाई में पीछे नही रहते है इसकी सच्चाई देखने मिल भी रही है। शासन के आदेश पर 16 जून से शुरू हुये नये शिक्षा सत्र के चलते इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के बीच जहां बच्चो को स्कूल आने जाने में परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर भीषण गर्मी के बीच शुरू हुये इस नये शिक्षा सत्र को लेकर अभिभावकों में भी अपने बच्चों को लेकर चिंता सता रही है..? क्योंकि चल रही जून माह के माध्य में ही जिस तरह सूरज देव आग उगलते हुय नजर आने के कारण चिलचिलाती धूम में बच्चों को स्कूल आने जाने में परेशान होना पड़ रहा है। गौर किया जावे तो शिक्षण संस्थाओं में भी पढ़ाई के नाम पर मात्र औपचारिकता निभाते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि सुबह 10 बजे से ही सूरज की तपन के बीच जब क्लासों में बच्चे बैठते है तो पंखों से निकलने वाली गर्म हवा से वह बेहाल होने से नही चूक पाते है। वही अनेक स्कूलों की स्थिति इस तरह बनी हुई है कि एक छोटे से कमरे में संचालित होने वाली क्लासों में जरूरत से ज्यादा बच्चें होने के कारण उन्हें हवा नही मिलने के कारण बच्चें पसीना पसीना होकर बेहाल होने से नही बच पा रहे है। इसी प्रकार का हाल दोपहर के समय जब स्कूलों से इन बच्चों की छुट्टी होती है तो तेज तपन के बीच बच्चों को घर पहुंचना मुश्किलों से खाली नही है। क्योंकि तेज धूप के बीच स्कूल से अपने घर आने में मासूमों के अभिभावकों को इस बात का डर सताने से नही चूक रहा है कि कही उनका बच्चों लू का शिकार न हो जावे..? यह बात जरूर है कि शासन द्वारा चलाये जा रहे जल गंगा सवर्धन अभियान में इन स्कूली बच्चों का जरूर उपयोग होते हुये देखा जा रहा है। कही ऐसा तो सरकार द्वारा शुरू किये गये जल गंगा सवर्धन अभियान को ही सफल बनाने के लिये नये शिक्षा सत्र की शुरूआत की गई हो...? खैर सच्चाई जो भी हो मगर देखा जा रहा है कि नये शिक्षा सत्र को शुरू हुये 5दिन का समय बीत चुका है और स्कूलों में पढ़ाई का महौल शायद ही कही दिखाई देने मिल पा रहा है..? वही दूसरी ओर बीते हुये 16 जून से शुरू हुये निजी व शासकीय शिक्षण संस्थाओं में नये सत्र के दौरान पुस्तकों सहित अन्य स्कूली सामग्री की दुकानों पर भीड़ उमड़ने की शुरूआत हो चुकी है। वही दूसरी ओर निजी शिक्षण संस्थाओं में गर्मी के चलते बच्चों को पढ़ाई होने की उम्मीद कम ही नजर आ रही है। यह बात जरूर है कि निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा 1 जूलाई के पूर्व यानि की 16 जून से स्कूल संचालित किये जाने के नाम पर छात्र छात्राओं से फीस बसूल करने में कोई कसर नही छोडेगे। इस तरह शिक्षा विभाग द्वारा जून माह में नया शिक्षा सत्र शुरू करने के निर्णय को लेकर अभिभावकों में जहां आक्रोश देखने मिल रहा है। वही दूसरी ओर नये शिक्षा सत्र की शुरूआत होने के चलते अभिभावकों को आर्थित बोझ का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये भी देखा जा रहा है। क्योंकि उनके बच्चें स्कूल शुरू होने की बात को लेकर अपने माता पिता पर पुस्तके सहित अन्य सामग्री खरीदने का दवाव बनाये जाने के कारण पुस्तकों की दुकानों पर भीड़ लगते हुये दिखाई देना शुरू हो चुकी है। क्योंकि नया शिक्षा सत्र शुरू होने से शाला में पढ़ने जाने वाला कोई मासूम बच्चा अपने पापा से स्कूल की ड्रेस, रंगीन छाता, किताबे, कापियां, टिफिन बाक्स, कम्पास दिलाने की हठ करते हुये देखे जा रहे है तो कोई मासूम बच्चा अपनी मॉ से फरमाईश कर रहा था कि स्कूल जाने के पहले उसके टिफिन बाक्स में रोज बदलकर खाने की नई चीजें रखी जाएँ। इस प्रकार से घरो में आलम यह देखने मिल रहा है कि बच्चों के बेहतर भविष्य के खातिर भीषण महॅगाई से जंग लड़ रहे अभिभावक बच्चो की हर फर माईश पूरी करने की व्यवस्थाओं में जुटे हुये नजर आने से नही चूक रहे है। इस तरह नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत होने के चलते पुस्तक विक्रेताओं की दुकानो पर अभिभावको की भीड़ बढ़नें लगी है और नयी शालेय सामग्री बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करने लगी है। वही पुस्तक विक्रेताओं का कहना है कि इस वर्ष किताबे, कापियों तथा बच्चो के उपयोगी अन्य सामान की कीमतो में खास ईजाफा नही हुआ है तथा उनकी ओर से यह कोशिश की जा रही है कि बच्चो को एक ही बार में कोर्स की सारी किताबे उपलब्ध करायी जाएँ। वही दूसरी ओर शालाओं में नया शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के बावजूद शिक्षा व्यवस्था सम्बंधी अनेक कमियॉ रह गयी है..? क्योंकि नगर की चमकती, दमकती अशासकीय शालाओं में फीस वृद्धि, डोनेशन वसूली का खेल जारी है। वही दूसरी ओर स्कूल चले हम अभियान की आशा जनक सफलता न होने की वजह से गरीब परिवारो के बहुत से बच्चे शिक्षा हासिल करने से वंचित रहते हुए जान पड़ रहे है। वही दूसरी ओर सरकार द्वारा शुरू किये गये स्कूल चले हम अभियान भी मात्र औपचारिकता पूर्ण दिखाई देने से नही चूक रहा है...? शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से अनेक प्रकार के अभियान चलाते हुए बच्चों को शिक्षा की ओर रूख करने के लिए प्रयास किये गये है। मगर जब अनेक बच्चों को स्कूली पुस्तकों की जगह जहां तहां कबाड़ बीनते हुए देखा जाता है तो शासन द्वारा चलाई जाने वाली सभी योजनाओं पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है..? सच्चाई पर गौर किया जावे तो आज भी अनेक बच्चें इस प्रकार से मिल सकते है जिन्हें शायद पता ही नही होगा कि नया शिक्षा सत्र शुरू हो चुका है जिसके चलते सबाल यह पैदा हो रहा है कि इस स्थिति में आखिर में किस प्रकार से सफल हुआ स्कूल चले हम अभियान...? नगर की शासकीय प्राथमिक शालाओ की दुर्दशा पर भी ध्यान नहीं दिया गया है, जिसके चलते अनेक शासकीय शालाएं जहां खंडहर में तब्दील होते हुए नजर आ रही है, जिनमें सांप गुहरे आराम फरमा रहे है तो कुछ शालाओं में रात के समय होने वाली शराब खोरी के चलते शराब की बोतले पड़ी हुई नजर आने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर अनेक शासकीय स्कूल अतिक्रमण मे चपेट में देखे जा रहे है। इस तरह बीते हुये 1 अप्रैल से नए शिक्षा सत्र के आगाज होने पर अभिभावको ने मॉग की है कि शहर की शासकीय शालाओं में पर्याप्त शिक्षक रखे जाएँ तथा जो शिक्षक अकर्मण्य और नशे की लत का शिकार शिक्षकों को हटाया जाए तथा शालाओं के आस पास के अतिक्रमण हटाये जाए, स्कूलो के खेल कूद के मैदानो को व्यवास्थित स्वरूप दिया जावे।

भाई की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने चंद घंटों के अंदर किया गिरप्तार

गाडरवारा। जमीन हो या फिर परिवार की कोई भी संपत्ति इस तरह से होती है कि वह भाई को भाई सहित परिवार के लोगों को दुश्मन बनाने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ पलोहा थाना के अंतर्गत ग्राम चिरह में देखने मिली जहां पर जमीन विक्रय की राशि के विवाद के चलते दो भाईयों के बीच मारपीट की स्थिति बन गई और बची बचाव करने के लिये भाभी आई तो उसकी हत्या कर दी गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस पलोहा पुलिस की 112 डायल सेवा को सूचना मिली की ग्राम चिरह के पास खेत में बनी हुई एक टपरिया में रहने वाले पति पत्नी के साथ मारपीट हुई है। इसी के चलते मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा घायल ओम प्रकाश कौरव तथा उसकी पत्नी मनोरामा कौरव को घायल अवस्था में उपचार हेतु शासकीय चिकित्सालय ले जाया गया। उपचार के दौरान जहां डाक्टरों द्वारा मनोरमा कौरव को झगडे के बीच आई चोटों से मृत घोषित कर दिया गया। वही दूसरी ओर ओम प्रकाश कौरव की जान बचाने में डाक्टर सफल हुये। वही घटना को लेकर प्रार्थी द्वारा पुलिस को बताया कि जमीन विक्रय करने से आई हुई राशि 5 लाख 50 हजार को लेकर दोनों भाईयों यानि की प्रार्थी ओम प्रकाश तथा उसके बडे भाई भागचंद कौरव के बीच विवाद हो रहा था उसी दौरान भागचंद द्वारा अपने छोटे भाई पर अचानक डंडे से हमला बोल दिये जाने के चलते जब बीच बचाव करने के लिये ओम प्रकाश की पत्नी मनोरमा कौरव आई तो उसे चोटे लगने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गई और चिकित्सालय मे डाक्टरों द्वारा मृत घोषित किये जाने के चलते पुलिस द्वारा महिला की मौत पर मर्ग कायम करते हुये आरोपी भागचंद के खिलाफ हत्या का मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी भागचंद के गायब होने के चलते जिला पुलिस अधीक्षक डा. ऋषिकेश मीना के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के मार्ग दर्शन में एक टीम बनाई गई। इस टीम में पलोहा प्रभारी निरीक्षक बी.एल. त्यागी के आलवा सहा. उप निरीक्षक राकेश दीक्षित, प्रधान आरक्षक गजेन्द्र, आरक्षक जितेन्द्र, सुधांशु, आकाश, मोहन चैरे एवं महिला आरक्षक सुप्रिया को शामिल किया गया था। इस टीम द्वारा आरोपी को मात्र चंद घंटों के अंदर ही गिरप्तार करते हुये न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस तरह पलोहा पुलिस द्वारा जमीन के पैसों के बटवारे को लेकर दो भाईयों के बीच हुये विवाद के चलते बीच बचाव करने के लिये आई हुई भाई की पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस द्वारा गिरप्तार करने में सफलता हासिल की गई है।

शहीदी दिवस पर सिख समाज ने राहगीरों को वितरित किया ठंडा शर्बत

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सिख समुदाय के पांचवें गुरू अर्जुन देव महाराज के शहीदी दिवस के पर्व पर बीते हुये गुरूवार को स्थानीय पलोटन गंज स्थित शक्तिधाम देवी मंदिर में नगर के शिख समाज बंधुओं ने दोपहर में भीषण गर्मी से हलाकान राहगीरों व वाहन चालकों को प्रसाद के रूप में ठंडे मीठे शर्बत का वितरण कर लोगों को पैगाम दिया कि वे धर्म और देश की रक्षा करने सदा तत्पर रहे और युवा पीढ़ी को प्रेरित करे कि शहीदों के आदर्शों को आत्मसात कर अपना जीवन सफल बनाये। बताया जाता है कि इस सर्बत वितरण का आयोजन नगर के नवनीत मल्होत्रा की ओर से बीते कई वर्षो से किया जा रहा है। इसी प्रकार से इस वर्ष भी सुबह 10 बजे उन्होंने

गुरू अर्जन देव के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए सर्बत वितरण का शुभारंभ किया गया जो दिन भर चलता रहा। ज्ञात हो कि श्री गुरु अर्जुन देव साहिब सिख धर्म के 5वें गुरु है । वे शिरोमणि, सर्वधर्म समभाव के प्रखर पैरोकार होने के साथ-साथ मानवीय आदर्शों को कायम रखने के लिए सती प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ वे डंटकर खड़े रहे। बताया जाता है कि शिखों के गुरू अर्जुन देव आध्यात्मिक चिंतक एवं उपदेशक के साथ ही समाज सुधारक भी थे। उनकी शहीदी सिख इतिहास में एक महत्वपूर्ण है। गुरु अर्जुनदेव जी की शहीदी त्याग और बलिदान का प्रतीक है, और सिख समुदाय द्वारा उनकी याद में सेवा कार्य किए जाते हैं। इस मौके पर नवनीत सिंह मल्होत्रा ,अर्चित सिंह मल्होत्रा, सुमित छावडा, परमीत सिंह अरोरा, जसप्रीत सिंह अरोरा, रविकांत मिश्रा, दम्मा दादा, दीपक कौरव ,विनोद नेमा सहित अनेको लोग मौजूद थें।

फोटो ग्राफर राजू खान का इंतकाल

गाडरवारा। नगर के जाने वाले फोटो ग्राफर व वीजसेन वार्ड शक्ति चौक निवासी मुन्नू स्टूडियो परिवार के सदस्य तथा पत्रकार अब्दुल फिरोज खान 'बबलू' के छोटे भाई अनीश राजू खान का गुरुवार को लंबी बीमारी के चलते 42 वर्ष की आयु में इंतकाल हो गया। गुरुवार दोपहर जोहर की नमाज के बाद स्थानीय कब्रिस्तान में गमगीन माहौल में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। जनाजे की नमाज हाफिज जुवेर आलम ने अदा कराई। मैयत में सभी वर्गों के लोगो ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित कर शोकाकुल परिवार के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त की गई।

चीचली तथा बारहाबड़ा जन शिक्षा केंद्रों पर आयोजित हुई बैठकें

चीचली। चीचली विकासखंड के जन शिक्षा केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय में जन शिक्षा केंद्र चीचली एवं बारहाबडा अधीनस्थ शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के प्रधान पाठको की बैठक आयोजित की गई। बताया जाता है कि विकासखंड एमआईएस कोऑर्डिनेटर दीपक श्रीवास्तव तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर अभिषेक पाराशर द्वारा ने स्कूल एमआईएस पोर्टल पर नामांकन, सिविल रिपोर्ट तथा शाला भवन की अधोसंरचना, ड्रॉप बॉक्स, मैपिंग, यू डाइस कार्य, पुस्तक वितरण फीडिंग, नामांकन से संबंधित जानकारी समय सीमा में संबंधित पोर्टल पर पूर्ण करने के सुझाव दिये गये। वही बैठक को सम्बोधित करते हुए उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य भूपेश ठाकुर एवं विकास खंड अकादमिक समन्वयक अरुण दुबे ने कक्षा पहली एवं कक्षा छठवीं में नवीन प्रवेश, आईगाट कर्मयोगी प्रशिक्षण, अपार आई डी निर्माण, खाद्यान्न उठाव, निर्माण कार्य सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तृत निर्देश दिये गये। वही उल्लास नवभारत साक्षरता के समन्वयक सत्यम ताम्रकार ने मार्च में संपादित असाक्षरों की परीक्षा के रिजल्ट की पोर्टल फीडिंग समीक्षा, ग्राम बसाहटों में असाक्षरों के शत प्रतिशत सर्वे, सामाजिक चेतना के संचालन, अक्षर साथियों के पंजीयन, आदर्श सामाजिक चेतना केंद्र में आवश्यक सामग्री की व्यवस्था तथा सामाजिक चेतना पंजी के सतत अद्यतन की बात की। इस बैठक मे जनशिक्षाकेंद्र अधीनस्थ सभी प्रधानपाठको की उपस्थिति रही। इस बैठक का आयोजन विकासखंड शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र राजपूत के मार्गदर्शन एवं बीआरसी डी के पटेल के निर्देशन में हुआ।

दिगम्बर जैन बंधुओं द्वारा मां जिनवाणी का जन्मोत्सव श्रुत पंचमी पर्व मनाया गया

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मां जिनवाणी का जन्मोत्सव पर्व श्रुत पंचमी श्री तारण तरण दिगम्बर जैन चैत्यालय जी में बाल ब्रह्मचारी वैराग्य भैया एवं ब्रह्मचारी सुरेश भैया के सानिध्य में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बताया जाता है कि इस आयोजन में समनापुर से तारण तरण पाठशाला के नोनिहाल एवं महानुभाव शामिल हुये। इस अवसर पर चैत्यालय जी में सुबह 5 बजे से सिद्ध मंत्रो का जाप तथा श्री छद्मस्त वाणी पाठ किया गया। ततपश्चात मन्दिर विधि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लिपिबद्ध माँ जिनवाणी शास्त्र को पालने में आस्ताप करके पालना झुलाया गया। वही बाल ब्रह्मचारी वैराग्य भैया ने जिनवाणी के महत्व को बताते हुये कहा की वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण के 683 वर्ष बाद आचार्य धरसेन जी मुनिराज हुए जिन्हें पंचम काल के भव्य जीवों के आत्म कल्याण की भावना जागी, उन्हें लगा की इस पंचम काल में साक्षात जिनेंद्र देव नहीं है न होंगे भाव लिंगी मुनिराज भी कोई विरले ही होंगे और मेरे बाद इस काल में कोई अंगधारी मुनि भी नहीं होंगे तब उन्हें लगा कि जो जिन श्रुत जिनवाणी, मुनिराजों द्वारा सुनाई जाती है और भव्य जीव उसका श्रवण करके उसेअपने ध्यान में रख लेते हैं। लेकिन अब तो इस निकृष्ट पंचम काल में जीवों की बुद्धि भी छीन हो रही है अब तो जिन श्रुत जिनवाणी जिनागम की रचना (लिपिबद्ध) होना चाहिए तब उन्ही ने सर्व प्रथम आचार्य भूतबली और पुष्पदंत महा मुनिराज के द्वारा उन्हें शिक्षा देकर उनके द्वारा जिनवाणी जिन श्रुत को लिपिबद्ध कराया। इस उन्होंने कहा की हमें प्रतिदिन मां जिनवाणी के सिर्फ दर्शन नही करना है बल्कि अपनी आत्मा के कल्याण के लिये प्रतिदिन जिनवाणी को पढ़कर स्वाध्याय करना चाहिए आज ही का वह मंगलमय दिन है। जब हमारे हाथों में सर्व प्रथम जिनवाणी जिन श्रुत जिनागम जिन सूत्र के रूप में श्री षट्खण्डागम ग्रंथराज आया सो अनादि अनंत माँ जिनवानी आज हमें जिन शास्त्र के रूप में मिली। श्री सकल तारण तरण जैन समाज के अध्यक्ष राकेश जैन ने कार्यक्रम उपरांत समनापुर से पधारे लोगों का आभार माना।

लगातार बदहाली की भेंट चढ रहा है नगर का सबसे बड़ा तालाब

सांईखेड़ा। जहां एक ओर शासन द्वारा पुराने जल स्त्रोतो को बचाने के लिये मुहिम चलाते हुये हर वर्ष करोड़ो रूपया खर्च किये जाते है और पुराने तालाबों को जीर्णोद्वार के साथ साथ हर वर्ष नये तालाबों का निर्माण भी कराये जाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। मगर जिस प्रकार से नगर का सबसे बड़ा तालाब बदहाली का शिकार होते हुये देखा जा रहा है उसके चलते शासन द्वारा जल स्त्रोतों के बचाने के लिये चलाई जा रही संपूर्ण योजनाओं पर अपने आप ही प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक पा रहा है? बताया जाता है कि नगर का तालाब जहां अपने अस्तित्व में एक इतिहास समेटे हुये है, जिसके चलते इस तालाब को नगर की धरोहर माना जाता है, मगर प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता का परिणाम इस प्रकार से देखने मिल रहा है कि यह तालाब लगाातार बदहाली का शिकार होने से नही बच पा रहा है, क्योंकि जहां तालाब के चारों ओर अतिक्रमण की बाढ़ के चलते इसका स्वरूप छोटा होने से नही चूक रहा है, वही दूसरी ओर लगातार इस तालाब में गंदगी फैलाये जाने के कारण तालाब की स्थिति दिनों दिन खराब होते हुये दिखाई देने लगी है, यदि समय रहते हुये इस ओर ध्यान नही दिया गया तो वह दिन दूर नही जब इस तालाब के लिये लोग सिर्फ याद ही कर पायेगे और इसके दर्शन दुर्लभ हो जावेगे?

प्रशासन की सड़कों से मवेशी हटाने की मुहिम पड़ी ठंडी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर की सड़को पर घूमने वाले आवारा पशु निश्चित तौर से नगरवासियों के लिये सिर दर्द बनने से नही चूक पा रहे है। क्योंकि नगर के प्रमुख चौराहों से लेकर आम रास्तों पर बैठे रहने वाले यह आवारा पशु जहां सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण साबित हो रहे है तो दूसरी ओर नगर के सब्जी बाजार से लेकर दुकानदारों को परेशान करने से नही चूक रहे है। इस प्रकार से सड़को पर घूमने वाले आवारा पशुओं को लेकर बीते हुये कुछ समय पहले नगर पालिका प्रशासन द्वारा बाहर करने के लिये मुहिम छेड़ते हुये लाखों रूपया की लागत से कुछ वाहन भी खरीदे गये थें। वही कुछ कर्मचारियों को नियुक्त भी किया गया था। मगर नगर पालिका प्रशासन की यह मुहिम मात्र चार दिन की चांदनी फिर अधियारी रात ही साबित होते हुये जान पड़ रही है। जिसका परिणाम है कि दिन रात सड़को पर डेरा जमाये रहने वाले इन पशुओं के चलते लोगों का निकलना मुश्किल हो रहा है तो रात के समय स्थिति भयानक रूप लेने से इसलिये नही चूक पाती है कि जब अचानक लाईट चली जाती है उस दौरान जब वाहन चालक निकल रहा होता है तो सड़को पर बैठे हुये यह पशु नजर ही नही आते है और सड़क दुर्घटना का कारण बन जाते है। इस तरह आवारा पशुओं के कारण घटित हुई घटनाओं पर नजर डाली जावे तो जहां अनेक लोग घायल हो चुके है और अनेक लोगों की जाने भी जा चुकी है? मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ध्यान ही नही दिये जाने का परिणाम है कि सड़को पर घूमने वासले इन आवारा पशुओं की संख्या में दिनों दिन लगातार बढ़ोत्तरी का आलम बनते चला जा रहा है।

खबर संक्षेप

स्थानांतरण आदेशों के संबंध में शासन ने हाईकोर्ट में दायर की कैविएट याचिकाएं

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्य प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग, भोपाल द्वारा 15 जून को जिला अनूपपुर के अंतर्गत विभिन्न नगरीय निकायों में कार्यरत कर्मचारियों के स्थानांतरण संबंधी आदेश जारी किए गए हैं। उक्त आदेशों के विरुद्ध कुछ कर्मचारियों द्वारा उच्च न्यायालय, जबलपुर में याचिकाएं दायर किए जाने की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए शासन द्वारा आवश्यक कानूनी कार्यवाही की गई है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मध्य प्रदेश शासन की ओर से उच्च न्यायालय, जबलपुर में संबंधित प्रकरणों के संबंध में कैविएट याचिकाएं प्रस्तुत की गई हैं, ताकि किसी भी याचिका पर सुनवाई से पूर्व शासन पक्ष को अपना पक्ष रखने का अवसर प्राप्त हो सके। इस संबंध में संबंधित कर्मचारीगणों को निर्देशित किया गया है कि यदि वे स्थानांतरण आदेशों के विरुद्ध उच्च न्यायालय में कोई याचिका प्रस्तुत करते हैं, तो उसकी अग्रिम प्रति अनिवार्य रूप से स्वप्निल गांगुली, उप महाधिवक्ता, उच्च न्यायालय, जबलपुर को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, जिससे न्यायालयीन प्रक्रिया का विधिवत पालन किया जा सके।

बारिश के कारण भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे स्थानीय लोगों को मिली बड़ी राहत

कोतमा। नगर में सुबह से बादलों और धूप की लुकाछिपी के बाद दोपहर को हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। इस बारिश के कारण भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिली है, जिससे मौसम खुशनुमा हो गया है। शुक्रवार को सुबह से ही बादलों की लुकाछिपी शुरू हो गई थी। जहां लोगों का उमस भरी गर्मी से हाल बेहाल था दूसरी हो केशवाही रोड स्थित 132/33 विद्युत विभाग के सब स्टेशन मे शट-डाउन के कारण पूरे इलाके की पांच घंटे बिजली सप्लाई बाधित रही जिसके कारण उमस भरी गर्मी से लोगों का हाल बेहाल रहा। सुबह से आसमान में बादलों की आवाजाही बनी हुई थी। इसके बाद हुई बारिश ने तापमान में गिरावट दर्ज कराई। बारिश के बाद वातावरण में ठंडक घुल गई है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से चैन मिला है। इस बेमौसम या हल्की मानसून पूर्व बारिश से स्थानीय किसानों के चेहरे भी खिल उठे हैं। किसान नगर मे स्थित बीज दुकानों पर पहुंच कर बीज की खरीददारी करनी शुरू कर दिया गया है। बीज दुकानों मे किसानों की भीड़ देर रात तक लगी रही।

अवैध कीटनाशक विक्रय पर कार्रवाई, बीज भंडार संचालक पर मामला दर्ज

कटनी। कुठला पुलिस ने अवैध रूप से कीटनाशकों के विक्रय और एक्सपायरी डेट वाले कीटनाशकों के भंडारण के मामले में कार्रवाई करते हुए चौहान बीज भंडार के संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखंड कटनी रमा गोविंद पटेल की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। शिकायत में बताया गया कि कृषि उपज मंडी के सामने, पहरूआ स्थित चौहान बीज भंडार में बिना वैध प्राधिकार पत्र के कीटनाशकों का विक्रय किया जा रहा

विश्व सिकल सेल दिवस पर जिला स्तरीय स्वास्थ्य शिविर आयोजित

335 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं जन स्वास्थ्य सहयोगए गनियारी बिलासपुर ;छत्तीसगढ़द्ध के संयुक्त तत्वावधान में जिला मुख्यालय स्थित उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में जिला स्तरीय सिकल सेल जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य सिकल सेल रोग के प्रति जनजागरूकता बढ़ानाए स्क्रीनिंग को प्रोत्साहित करना तथा मरीजों को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था।कार्यक्रम में शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वेए स्थानीय विधायक ओमकार मरकामए नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारसए कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया सहित जनप्रतिनिधिए स्वास्थ्य अधिकारी एवं विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित रहे।

जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रोंए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं आरोग्य केंद्रों में एएनएम और सीएचओ द्वारा 0 से 40 वर्ष आयु वर्ग के लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग एवं जांच की गई। जिला स्तरीय शिविर में कुल 335 सिकल सेल मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें 57 मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण.पत्र प्रदान किए गएए जबकि 60 मरीजों को न्यूमोकोकल वैक्सीन लगाई गई।कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने स्वास्थ्य शिविर एवं प्रदर्शनी का निरीक्षण किया तथा मरीजों से संवाद कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने ग्राम धनवासी के 13 वर्षीय निहाल सिंह को सिकल सेल वैक्सीन की दूसरी डोज लगवाते हुए नियमित दवा सेवनए पौष्टिक आहार और चिकित्सकीय परामर्श का पालन करने की सलाह दी। इसी प्रकार समनापुर के हीरा सिंह को भी वैक्सीन की दूसरी डोज दिलाई गई। कलेक्टर ने कहा कि सिकल सेल एक आनुवांशिक बीमारी हैए संक्रामक रोग नहीं। समय पर जांचए नियमित उपचार और संतुलित जीवनशैली अपनाकर इसके प्रभाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने आमजन से किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने की अपील की।शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि आदिवासी अंचलों में सिकल सेल एक गंभीर चुनौती हैए लेकिन जागरूकताए समय पर जांच और उचित उपचार के माध्यम से इस पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। उन्होंने परिवार के सभी सदस्यों को समय.समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने की सलाह दी।

कार्यक्रम में सिकल सेल रोगियों ने अपने अनुभव साझा कर लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक किया। वहींए सिकल सेल एनीमिया कार्यक्रम के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले 40 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रमाण.पत्र और स्मृति.चिह्न देकर सम्मानित किया गया।जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जाकर सिकल सेल की जांच अवश्य कराएंए ताकि समय रहते रोग की पहचान और उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई अवैध रेत और गिट्टी परिवहन करते तीन वाहन जब्त

डिंडौरी। जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को खनिज विभाग की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण अभियान चलाकर अवैध रूप से रेत और गिट्टी का परिवहन कर रहे तीन वाहनों को जब्त किया।खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मेहंदवानी क्षेत्र में दो ट्रैक्टर.ट्रॉलियां क्रमांक एमपी.51.एए.8639 एवं एमपी.52.एए.7738 अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए पकड़ी गईं। कार्रवाई के बाद दोनों वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से मेहंदवानी थाने में खड़ा कराया गया है।

वहींए ग्राम हिनौता क्षेत्र में एक ट्रैक्टर.ट्रॉली क्रमांक एमपी.51.एए.1659 बिना वैध अनुमति के खनिज गिट्टी का परिवहन करते हुए पाई गई। उक्त वाहन को भी आवश्यक कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना डिंडौरी में सुरक्षित रखा गया है।विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जब्त वाहनों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। संबंधित प्रकरण कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएंगे।

स्वरोजगार योजनाओं के हितग्राहियों को समय पर ऋण वितरण करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की स्वरोजगार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत बैंकों में लंबित ऋण प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, लीड बैंक मैनेजर दिलीप निगम, रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि, विभिन्न शासकीय एवं निजी बैंकों के जिला प्रबंधक तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने ग्राम ढोढ़ा में किसान कार्यशाला आयोजित

डिंडौरी। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने और किसानों को पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों से जोड़ने के उद्देश्य से शुक्रवार को विकासखंड शहपुरा के ग्राम ढोढ़ा में कार्यशाला सह किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य संचालित जनकल्याणकारी गतिविधियों के तहत आयोजित किया गया।कार्यशाला में किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्वएए मृदा स्वास्थ्य संरक्षणए पर्यावरण संतुलन तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि प्राकृतिक खेती अपनाने से खेती की लागत कम होने के साथ भूमि की उर्वरता और उत्पादन क्षमता में भी सुधार होता है।

कार्यक्रम में 216 कृषकों ने सहभागिता की। इस दौरान किसानों को प्रगतिशील कृषक बिहारी लाल साहू के जैविक केंद्र एवं बीआरसी यूनिट का भ्रमण कराया गयाए जहां उन्होंने जैविक खाद निर्माण और प्राकृतिक खेती की विभिन्न तकनीकों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम ने कहा कि प्राकृतिक खेती किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। इससे रासायनिक उर्वरकों पर होने वाला खर्च कम होता है और कृषि अधिक लाभकारी बनती है। उन्होंने पशुपालन को भी किसानों के लिए अतिरिक्त आय का महत्वपूर्ण स्रोत बताया।उपाध्यक्ष ज्ञानदीप त्रिपाठी ने कहा कि प्राकृतिक खेती और जैविक खाद के उपयोग से उत्पादन बढ़ता है तथा लागत में कमी आती है। उन्होंने किसानों से पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ कृषि के लिए प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ कृषिए पशुपालनए मत्स्य विभागए कृषि विज्ञान केंद्रए आत्मा परियोजना एवं जन अभियान परिषद के अधिकारियों ने भी भाग लिया। विशेषज्ञों ने किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए प्राकृतिक खेती की विभिन्न तकनीकों की जानकारी प्रदान की।आयोजकों ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करना तथा अधिक से अधिक कृषकों को पर्यावरण हितैषी एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों से जोड़ना है।

तेज बारिश के बीच उत्साह से मनाया गया बावड़ी उत्सवए जल संरक्षण का दिया संदेश

डिंडौरी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तृतीय चरण के अंतर्गत विकासखंड शहपुरा के ग्राम खितौला स्थित श्री श्री बच्चू जी महाराज के पाताल धारा आश्रम परिसर में पारंपरिक बावड़ी उत्सव का आयोजन श्रद्धाए उत्साह और जनसहभागिता के साथ किया गया। तेज बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कार्यक्रम में हिस्सा लेकर जल संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।कार्यक्रम कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संभाग समन्वयक रवि बर्मनए आनंद विभाग भोपाल के राज्य समन्वयक आकाश दुबेए जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहानए स्वामी गणेश गिरी महाराज सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विकासखंड समन्वयक डॉण नीलेश्वरी वैश्य के नेतृत्व में नवांकुर संस्था प्रस्फुटन समिति द्वारा किया गया।

उत्सव की शुरुआत सामूहिक श्रमदान से हुईए जिसमें ग्रामीणों ने प्राचीन बावड़ी के आसपास जमा गाद हटाकर स्वच्छता और जल स्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद आयोजित संगोष्ठी में भजन मंडली ने गीतों के माध्यम से जल संरक्षणए पौधरोपण और पर्यावरण संवर्धन का महत्व बताया। बावड़ी को फूलों और दीपों से सजाया गया तथा महाआरती और नर्मदा अष्टक के पाठ के साथ जल संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया।इस दौरान अतिथियों और ग्रामीणों ने बेल एवं नीम के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था प्रभारी शंभु विश्वकर्माए ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारीए सीएमसीएलडीपी परामर्शदाताए इंटर्नए जनप्रतिनिधि तथा क्षेत्रीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।आयोजित जल चौपाल में संभाग समन्वयक रवि बर्मन ने जल संकट की चुनौतियोंए पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षणए वर्षा जल संचयन और सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान ने कहा कि जल और वृक्ष एक.दूसरे के पूरक हैं तथा जल संरक्षण के लिए व्यापक स्तर पर पौधरोपण जरूरी है।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखनेए जल के अपव्यय को रोकने तथा भावी पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखने का संदेश दिया गया। बावड़ी उत्सव के माध्यम से पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण और जनभागीदारी का प्रभावी संदेश समाज तक पहुंचाए जिसे जल गंगा संवर्धन अभियान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

जल जीवन मिशन में रिश्वत का खेल '2 लाख की डिमांड, 1.50 लाख पहले डकारे'

अमित शाह हुए गिरफ्तार, स्थानांतरण के बाद हुए ट्रैप,30 हजार लेते पीएचई इंजीनियर ईओडब्ल्यू के शिकंजे में

अनूपपुर जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) रीवा ने बड़ी कार्यवाही करते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के प्रभारी कार्यपालन यंत्री अमित शाह को 30 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अधिकारी पर ठेकेदार के लंबित भुगतान, सिक्योरिटी डिपॉजिट और एफडीआर रिलीज करने के एवज में 2 लाख रुपये रिश्वत मांगने का आरोप है। जांच में खुलासा हुआ कि 1.50 लाख रुपये पहले ही लिए जा चुके थे। इस कार्यवाही के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रभारी कार्यपाली यंत्री अमित शाह का अनूपपुर से स्थानांतरण बालाघाट जिले के लिए हो चुका है जानकारी के अनुसार 18 जून को अनूपपुर जिले से उनकी विदाई भी हो चुकी हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना, जिसका उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, अब भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के कारण सुर्खियों में आ गई है। अनूपपुर जिले में वर्ष 2020-21 के दौरान पाइपलाइन विस्तार, घर-घर नल कनेक्शन और अन्य निर्माण कार्यों का ठेका रीवा की आरजीए कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया गया था। कंपनी द्वारा कार्य पूर्ण कर दिए जाने के बावजूद अंतिम भुगतान, सिक्योरिटी डिपॉजिट और एफडीआर की राशि विभागीय स्तर पर अटकी हुई थी। आरोप है कि इन्हीं देयकों को जारी करने के बदले प्रभारी कार्यपालन यंत्री अमित शाह ने ठेकेदार प्रतिनिधि रामाश्रय यादव से 2 लाख रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायत ईओडब्ल्यू रीवा तक पहुंची तो सत्यापन कराया गया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद बिछाए गए जाल में आरोपी अधिकारी 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। इस कार्रवाई ने सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जल जीवन मिशन के भुगतान पर लगा रिश्वत का ताला

जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों के भुगतान को लेकर यह पूरा मामला सामने आया है। ठेकेदार कंपनी का लगभग 14 लाख रुपये का अंतिम बिल, 7 लाख रुपये की सिक्योरिटी डिपॉजिट तथा करीब 4 लाख रुपये की एफडीआर विभाग में लंबित थी। आरोप है कि इन राशियों को जारी करने के बदले प्रभारी कार्यपालन यंत्री ने रिश्वत की मांग रखी। सरकारी योजनाओं में भुगतान के लिए रिश्वत की मांग होना न केवल प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है बल्कि विकास कार्यों की पारदर्शिता पर भी गंभीर चोट पहुंचाता है।

शिकायत से जाल तक, ईओडब्ल्यू ने रची पूरी रणनीति

जब शिकायतकर्ता रामाश्रय यादव ने रिश्वत मांगने की जानकारी ईओडब्ल्यू रीवा को दी तो टीम ने पहले शिकायत का सत्यापन किया। जांच में रिश्वत मांगने की पुष्टि होने के बाद पूरी कार्यवाही की योजना बनाई गई। अधिकारी की गतिविधियों पर निगरानी रखी गई और तय समय पर शिकायतकर्ता को राशि लेकर भेजा गया रहा है। ईओडब्ल्यू की टीम पहले से मौके पर तैनात थी। जैसे ही रिश्वत की रकम आरोपी ने स्वीकार की, टीम ने तत्काल दबिश देकर उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है।

डेढ़ लाख पहले ले चुका था अधिकारी

जांच में सामने आया कि आरोपी अधिकारी केवल रिश्वत मांग ही नहीं रहा था बल्कि उसकी पहली किस्त भी वसूल चुका था। ईओडब्ल्यू के अनुसार 2 लाख रुपये की मांग में से 1 लाख 50 हजार रुपये पहले ही आरोपी द्वारा प्राप्त किए जा चुके थे। शेष राशि में से 30 हजार रुपये लेने के दौरान गिरफ्तारी हुई। यह तथ्य बताता है कि रिश्वत का लेन-देन एक सुनियोजित प्रक्रिया के तहत किया जा रहा था। अब जांच एजेंसी पूरे वित्तीय लेन-देन की पड़ताल कर रही है।

निजी निवास बना रिश्वत लेन-देन का ठिकाना

सूत्रों के अनुसार आरोपी अधिकारी ने रिश्वत लेने के लिए अपने स्मार्ट सिटी स्थित निजी निवास को चुना था। सरकारी कार्यालय के बजाय निजी आवास पर बुलाकर राशि लेने की योजना बनाई गई थी ताकि किसी प्रकार की आशंका न रहे। लेकिन ईओडब्ल्यू की निगरानी इतनी सटीक थी कि आरोपी अपनी योजना में सफल नहीं हो सका है। निजी आवास पर हुई इस कार्यवाही ने यह भी संकेत दिया कि भ्रष्टाचार के मामलों में आरोपी किस प्रकार गोपनीय तरीके अपनाने का प्रयास करते हैं।

विभाग में मचा हड़कंप, जांच का दायरा बढ़ने के संकेत

गिरफ्तारी के बाद पीएचई विभाग सहित प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। सूत्रों का दावा है कि आरोपी अधिकारी के खिलाफ पहले भी अनियमितताओं और रिश्वतखोरी की शिकायतें सामने आती रही हैं। ईओडब्ल्यू अब पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि रिश्वत का यह नेटवर्क कितना व्यापक था। यदि जांच में अन्य अधिकारियों या कर्मचारियों की भूमिका सामने आती है तो उनके खिलाफ भी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकती है।

भारत कृषि और ऋषि प्रधान देश - प्रहलाद सिंह पटेल

प्राकृतिक खेती से मिट्टी उपजाऊ होगी और फसलों का उत्पादन बढ़ेगा

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने किसानों से प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन बनाने का आव्हान किया,नरसिंहपुर में प्राकृतिक खेती कार्यशाला को संबोधित किया

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि भारत देश कृषि और ऋषि प्रधान देश रहा है। ऋषियों ने भारत देश में भूमि, जल, वायु, वृक्ष, गाय एवं प्राकृतिक की रक्षा करने का ज्ञान बताया है। भारत देश में किसान प्राचीन काल में प्राकृतिक खेती करते थे, इससे भूमि की उर्वरकता शक्ति बनी रहती थी और इससे अन्न की समस्या नहीं होती थी। यह परंपरा रही है कि किसान अपने घरों में दो वर्ष के लिए अनाज, एक वर्ष के लिए गेहूं व दाल का भंडार रखते थे, इसलिए प्राचीन काल में भारत देश का किसान समृद्ध व खुशहाल रहता था। श्री पटेल शुक्रवार को पीजी कॉलेज नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम में कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

श्री पटेल ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए किसानों को प्राकृतिक खेती का महत्व बताया, जिससे किसान जैविक खाद का उपयोग कर अपने खेतों को उपजाऊ बना सकें। उन्होंने कहा कि किसानों को प्राकृतिक खेती के मॉडल में जीवामृत, बीजामृत एवं जैव अदानों के निर्माण प्रक्रिया को अपनाना चाहिए। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसान अपने खेतों में जैविक खाद और जैविक दवाईयों का उपयोग करें। उन्होंने बताया कि खेतों में नियमित रूप से जैविक खाद एवं जैविक दवाईयों का प्रयोग करने से भूमि की उर्वरता शक्ति और फसलों का उत्पादन बढ़ जाता है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि नरसिंहपुर जिले के किसानों को प्राकृतिक खेती को अपनाना चाहिए, वर्तमान समय में प्राकृतिक खेती का अत्याधिक महत्व है। जैविक खाद से तैयार फसलों का उपयोग करना स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

मंत्री ने कहा कि हमें प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के साथ- साथ जल संरक्षण का कार्य करना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि रिचार्ज पिट और वॉटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से हम वर्षा के जल को भूमिगत कर सकते हैं। इससे भू-जल स्त्रोत बढ़ेंगे और जल की समस्या नहीं होगी। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि नरसिंहपुर जिले में सूखे हैंडपंपों में रिचार्ज पिट बनाकर वर्षा के जल को भूमिगत करने का तकनीकी प्रयोग किया जा रहा है। इससे वर्षा का जल भूमिगत होगा और जल के स्त्रोत बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है कि भूमिगत जल स्त्रोतों को विकसित करने के लिए जल का ठहराव, पौधे लगाना व जल स्त्रोतों की साफ-सफाई का कार्य करें।

श्री पटेल ने आयोजित कार्यशाला में बताया कि हमारी सरकार किसानों के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। किसान इन योजनाओं का लाभ उठाकर समृद्ध व खुशहाल बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों को उनकी उपज का समर्थन मूल्य दे रही है। प्रदेश के किसान बिचौलियों के चंगुल से पूर्णत मुक्त हो चुके हैं। उन्होंने आयोजित कार्यशाला में गोबर और गौमूत्र का भी महत्व बताया। किसान गौमूत्र का उपयोग कीटनाशक दवाईयों और गोबर का उपयोग जैविक खाद बनाने के लिए कर सकते हैं।

सांसद ने प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने प्राकृतिक कृषि संवर्धन, जैविक आदानों के उपयोग तथा कृषि को अधिक लाभकारी और पर्यावरण अनुकूल बनाने के संबंध में संवाद किया। सांसद ने प्राकृतिक कृषि संवर्धन विधेयक की जानकारी देते हुए किसानों से प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन बनाने का आव्हान किया। साथ ही प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, महेन्द्र नागेश, नागेश, वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष शर्मा एवं डॉ. एसआर शर्मा, डॉ. विजय सिंह रघुवंशी, प्राकृतिक खेती करने वाले कृषक कृष्णपाल सिंह लोधी और ग्राम रीछा के निवासी लक्ष्मण सिंह पटेल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, अन्य अधिकारी, कृषक और नागरिक मौजूद थे।

अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई

27 ट्रॉली रेत जब्त, कई वाहन पुलिस अभिरक्षा में

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन में पुलिस, राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। संयुक्त निरीक्षण के दौरान तहसील नरसिंहपुर के ग्राम बहोरी में दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 27 ट्रॉली (लगभग 81 घनमीटर) अवैध रेत जब्त की गई। जब्त रेत को शासकीय भूमि पर सुरक्षित रखकर ग्राम कोटवार की सुपुर्दगी में सौंपा गया। इसी क्रम में राजमार्ग चौराहा, तहसील करेली में निर्धारित मात्रा से अधिक खनिज गिट्टी का परिवहन करते पाए जाने पर एक हाइड्रा (क्रमांक एम.पी. 15 जेड.ई. 8332) वाहन को पुलिस थाना सुआतला की अभिरक्षा में रखा गया। वहीं तहसील गाडरवारा के ग्राम कौड़िया में अवैध रेत परिवहन करते पाए गए दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर पुलिस थाना गाडरवारा की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया।खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिलेभर में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध लगातार निगरानी रखी जा रही है।

विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस मनाया गया

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में 19 जून को विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान नागरिकों को सिकल सेल एनीमिया के कारण, लक्षण, बचाव एवं उपचार संबंधी जानकारी दी गई। विवाह पूर्व एवं गर्भावस्था के दौरान जांच के महत्व के बारे में बताया गया। नागरिकों को योग, प्राणायाम, ध्यान एवं तनाव प्रबंधन, संतुलित आहार, दिनचर्या और आयुष जीवनशैली संबंधी परामर्श दिया गया। जिले में सिकल सेल से ग्रसित व्यक्तियों को एड आन थैरेपी के रूप में आयुर्वेद दवाई का घर-घर जाकर नियमित रूप से वितरण किया जा रहा है।

सीए परीक्षा में दिव्यांश कोठारी की सफलता

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शहर के निवासी दिव्यांश कोठारी (अक्षत) ने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की सीए परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। केंद्रीय विद्यालय नरसिंहपुर से स्कूली शिक्षा और नागपुर के कॉलेज से बी.कॉम करने वाले दिव्यांश ने अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है।

जिले के सड़क मार्गों से मालवाहक वाहनों का आवागमन विनियमित करने का आदेश जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जारी आदेश के मुताबिक जिले में कोयला, फ्लाई ऐश तथा अन्य खनिजों का परिवहन करने वाले सभी भारी वाहनों का संचालन केवल वैध परमिटध् बिल्टीध् ईटीसी प्राप्त करने के उपरांत ही किया जाएगा। जिले में कोयले एवं फ्लाई ऐश का परिवहन केवल तिरपाल से पूरी तरह ढके हुए बंद वाहनों से ही किया जाएगा। परिवहनकर्ता द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य होगा कि वह परिवहन के दौरान लोड किया गया फ्लाई ऐश, कोयला, कोयले की डस्ट या स्टोन डस्ट किसी भी दशा में सड़क पर न गिरे और ना ही वातावरण में फैले। इसके अतिरिक्त फ्लाई ऐश या कोयला डस्ट खाली करके लौटते समय भी वाहनों से बचे हुए अवशेष मटेरियल के उड़ने की प्रबल संभावना रहती है। अतरू अनिवार्य रूप से खाली वाहनों के भीतर पानी का प्रभावी छिड़काव करने एवं उन्हें पुनरू तिरपाल से अच्छी तरह से ढंकने के उपरांत ही वाहन गंतव्य के लिए वापस लौटेंगे। फ्लाई ऐश, कोयला, कोयले की डस्ट या स्टोन डस्ट एवं अन्य खनिजों का परिवहन करने वाले सभी वाहनों की अधिकतम सीमा 30 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक नहीं होगी। कोयला एवं राखड़ (फ्लाई ऐश) का परिवहन करने वाले वाहनों के पास सम्पूर्ण वैधानिक दस्तावेज तथा संबंधित वाहन चालक के पास भारी वाहन चलाने का वैध (जीवित) ड्राइविंग लायसेंस होना अनिवार्य है।जारी आदेश के अनुसार जिला अंतर्गत विभिन्न मार्गों से होकर कोयला, राखड़ (फ्लाई ऐश), खनिज रेत, गिट्टी एवं अन्य भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन विनियमित करने के लिए प्रवेश निषेध का समय निर्धारित किया गया है। गाडरवारा शहरी क्षेत्र एवं गाडरवारा से सांईखेड़ा मार्ग के तहत समस्त नगरीय सीमा के मुख्य मार्ग, मुख्य बाजार क्षेत्र एवं गाडरवारा-सांईखेड़ा मुख्य मार्ग के लिए प्रातरू 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक, तेंदूखेड़ा शहरी क्षेत्र एवं तेंदूखेड़ा-गाडरवारा मार्ग के तहत समस्त नगरीय सीमा के मुख्य मार्ग, मुख्य बाजार एवं तेंदूखेड़ा-गाडरवारा मुख्य मार्ग के लिए प्रातरू 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक और एनटीपीसी प्रभावित ग्रामीण क्षेत्र के तहत ग्राम गांगई, डोंगरगांव, चोरबरहेटा, कुड़ारी, रायपुर, कल्याणपुर चीचली एवं सम्पर्क मार्ग के लिए प्रातरू 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक प्रवेश निषेध किया गया है ऐसी किसी भी घटना से उत्पन्न भ्रांति, राहत, पुनर्वास, सफाई, बहाली एवं पर्यावरण पुनर्स्थापन पर होने वाला समस्त व्यय संबंधित परियोजना प्रतिष्ठान ट्रांसपोर्टर से वसूल की जाएगी और आवश्यकतानुसार संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही भी निर्धारित की जाएगी।

श्री 1008 सिद्धचक्र महामण्डल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ का भव्य समापन

करेली। नगर के सुभाष मैदान में पूज्य मुनि श्री 108 महासागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य एवं युवा विधानाचार्य ब्रह्मचारी अंकित भैया जी (सहज) के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित श्री 1008 सिद्धचक्र महामण्डल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ का गुरुवार को भक्ति, श्रद्धा एवं धार्मिक उल्लास के साथ भव्य समापन हुआ। नौ दिनों तक चले इस आध्यात्मिक महापर्व में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित किया। समापन दिवस पर प्रातःकाल भगवान श्री जिनेन्द्रदेव का अभिषेक, शांतिधारा एवं विशेष पूजन संपन्न हुआ। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने पूर्ण श्रद्धा एवं विधिपूर्वक श्री 1008 सिद्धचक्र महामण्डल विधान में सहभागिता की। पूरे आयोजन स्थल पर मंत्रोच्चार, भक्ति गीतों एवं धार्मिक अनुष्ठानों से वातावरण धर्ममय बना रहा।समापन अवसर पर नगर में भव्य एवं दिव्य रथयात्रा 108 पूज्य महासागर जी महाराज के अगुवाई में निकाली गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु धर्मध्वजाएं लेकर शामिल हुए। रथयात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली,रथ के ऊपर भगवान जिनेन्द्रदेव की दिव्य प्रतिमाय विराजमान रही, जहां जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा भक्ति भाव से भगवान जिनेंद्र देव की आरती परिवार सहित की गई कर स्वागत किया गया। पूरे रथ यात्रा के दौरान भक्तों द्वारा वीर प्रभु के जयकारों और भक्ति गीतों से नगर धर्ममय वातावरण में सराबोर हो गया। श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर परिसर आयोजन स्थल पर निर्मित भव्य एवं आकर्षक समवशरण भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा। नौ दिनों तक हजारों श्रद्धालुओं ने समवशरण के दर्शन कर आध्यात्मिक शांति एवं आत्मिक आनंद की अनुभूति प्राप्त की। पूज्य मुनि श्री 108 महासागर जी महाराज ने पूरे अनुष्ठान के दौरान अपने मंगल प्रवचनों में धर्म, अहिंसा, संयम, सदाचार एवं आत्मकल्याण का संदेश देते हुए कहा कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य आत्मा की शुद्धि एवं मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर होना है। उन्होंने समाज में नैतिक मूल्यों, सद्भाव एवं आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देने का आह्वान किया।विधानाचार्य ब्रह्मचारी अंकित भैया जी (सहज) ने श्रद्धालुओं को सिद्धचक्र विधान के आध्यात्मिक महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि यह विधान आत्मशुद्धि, पुण्यार्जन एवं विश्वकल्याण की भावना को जागृत करने वाला महान धार्मिक अनुष्ठान है। नौ दिवसीय पूरे कार्यक्रम में सायंकाल आयोजित भव्य संगीतमय महाआरती में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी रही। दीपों की अलौकिक आभा, भक्तिमय संगीत एवं प्रभु भक्ति के वातावरण ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।रथयात्रा के दौरान भीषण गर्मी को देखते हुए करेली नगर पालिका द्वारा सराहनीय व्यवस्था की गई। फायर ब्रिगेड प्रभारी विधान शर्मा एवं उनकी टीम ने रथयात्रा मार्ग पर पानी का छिड़काव कर श्रद्धालुओं को राहत प्रदान की, जिसकी समाजजनों ने सराहना की। करेली पुलिस प्रशासन द्वारा रथ यात्रा के दौरान विशेष सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की गई ,आयोजन समिति ने बताया कि विश्वशांति, मानव कल्याण एवं आत्मोत्थान की भावना से आयोजित यह नौ दिवसीय धार्मिक महापर्व नगर के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय के रूप में याद किया जाएगा।

केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में योगाभ्यास हुआ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सीजीएम नरसिंहपुर राकेश सनोड़िया, सचिव जिला विधिक सेवा नरसिंहपुर देवेश मीणा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अधिकारी राजेश सक्सेना के साथ जेल अधिकारी कर्मचारियों और बंदियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। इस दौरान योग से करीब 330 जेल बंदी लाभांवित हुए। उल्लेखनीय है कि 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य्य में 15 जून से 21 जून तक समस्त जेलों में एक सप्ताह तक योग अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का शुभारंभ मप्र उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश और मप्र विधिक सेवा प्राधिकरण के संरक्षण प्रमुख ने केन्द्रीय जेल जबलपुर से किया गया। वैदिक योग संस्था नरसिंहपुर के योगाचार्य देवेन्द्र पटेल ने बंदियों को योग कराते हुए कहा कि मानव मस्तिष्क को प्रफुल्लित होने एवं मानव तन को स्वस्थ रखने तथा सभी क्रियाओं पर नियंत्रण के लिए योग अति महत्वपूर्ण एवं लाभकारी औषधि है। व्यक्ति का सबसे बड़ा धन उसकी निरोगी काया है। बंदियों को संदेश देते हुए कहा कि योग के द्वारा स्वस्थ तन, स्वस्थ मन, स्वस्थ जीवन, स्वस्थ दिनचर्या से व्यक्ति स्वस्थ होकर बुराईयों से दूर होता है और इस प्रकार उसमें क्रोध के लिए कोई स्थान न होकर मन में अच्छे विचारों का प्रादुर्भाव होता है। इस प्रकार यदि हम अपने जीवन में योग को स्थान देते हैं, तो निश्चित ही हमारा मन और मस्तिष्क एक अच्छी सोच रखेगा। जिससे हम अपना जीवन अच्छे कार्यों में लगाएंगे और बुरे कर्मों से दूर रहेंगे। अपने अंदर व्याप्त बुराई को मारकर अच्छाई पर विजय पाने का एक अहम मार्ग योग है।

दहशत का दूसरा नाम पप्पू पटेल सलाखों के पीछे, गाड़ी बिगड़ी तो सड़कों पर निकला कुख्यात का जुलूस

गोटेगांव। नरसिंहपुर जिले में जुआ फड़ का संचालन, लाखों रुपये की उगाही और जान से मारने की धमकियां देने के आरोपों में कुख्यात आदतन अपराधी पप्पू उर्फ नरेंद्र पटेल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ठेमी थाना क्षेत्र में लंबे समय से आतंक का पर्याय बने आरोपी की गिरफ्तारी को पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है।कुछ दिन पूर्व जुआ फड़ के पैसों के लेन-देन से जुड़ा एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें शराब पिलाने, जुआ खिलाने और फिर लाखों रुपये की मांग के साथ जान से मारने की धमकी दिए जाने की बात सामने आई थी। ऑडियो वायरल होने के बाद बड़ी सिमरी निवासी पप्पू पटेल फरार हो गया था।कोर्ट ले जाते समय बिगड़ी गाड़ी, पैदल निकाला गया आरोपीएसडीओपी के मार्गदर्शन में पुलिस ने जाल बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार किया। न्यायालय ले जाते समय बीच रास्ते में पुलिस वाहन खराब हो गया, जिसके बाद पुलिस आरोपी को पैदल लेकर निकली। सड़कों पर आरोपी को देखकर लोगों में चर्चा का माहौल बना रहा। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

जहरीला धुआं उगल रहे ईंट भट्टे, दम घुटने को मजबूर लोगस्कूल के बच्चे भी हो रहे प्रभावित, बीमारियों का बढ़ा खतरा

गोटेगांव। क्षेत्र में अव्यवस्थित ढंग से संचालित हो रहे ईंट भट्टों से निकल रहा धुआं लोगों के लिए मुसीबत बनता जा रहा है। झोतेश्वर मार्ग स्थित राष्ट्रीय सहायक स्कूल के समीप संचालित एक ईंट भट्टे से निकलने वाले धुएं से आसपास के रहवासी और स्कूल के छोटे बच्चे परेशान हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि धुएं के कारण आंखों में जलन, सांस लेने में परेशानी और लगातार खांसी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। लोगों को आशंका है कि लंबे समय तक ऐसे प्रदूषण के संपर्क में रहने से गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।रहवासियों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। लोगों ने मांग की है कि आबादी वाले क्षेत्रों में संचालित ईंट भट्टों को व्यवस्थित किया जाए अथवा अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए।

कभी जिले का बड़ा थाना रहा ठेमी, अब पुलिस बल की भारी कमी से जूझ रहा

गोटेगांव।

नरसिंहपुर जिले का ठेमी थाना कभी जिले के प्रमुख थानों में शुमार था, लेकिन वर्तमान में पुलिस बल की कमी के कारण यहां व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं।करीब 75 से 80 गांवों और एक लाख से अधिक आबादी वाले क्षेत्र की जिम्मेदारी संभाल रहे इस थाने में वर्तमान में एक थाना प्रभारी, दो उप निरीक्षक, चार हवलदार, दो आरक्षक और एक-दो नगर सैनिक ही पदस्थ हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि कम स्टाफ के कारण गश्त, जांच और अपराध नियंत्रण प्रभावित हो रहा है। पुलिसकर्मियों पर अतिरिक्त कार्यभार का असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। लोगों ने शासन से पुलिस बल बढ़ाने की मांग की है।

स्कूल शिक्षा मंत्री के आतिथ्य में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित होगा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में 21 जून को 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग अभ्यास का कार्यक्रम नरसिंह मंदिर प्रांगण नरसिंहपुर में प्रातरू 6 बजे से आयोजित किया जाएगा। जिला आयुष अधिकारी नरसिंहपुर ने सभी नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है।

टीबी मरीजों को फूड वास्केट का वितरण

तेंदूखेड़ा विगत दिवस मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनीष कुमार मिश्रा जिला क्षय अधिकारी डॉ देवेन्द्र रिपुदमन सिंह एवं खंड चिकित्सा अधिकारी चावरपाठा डॉ राजकिशोर पटैल के मार्गदर्शन में विकासखंड चावरपाठा के टीबी मरीजों को फूड वास्केट का वितरण किया गया। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत टी.वी मरीजों को निजी भागीदारी के माध्यम से पोषण सहायता हेतु फूड वास्केट का वितरण किया जाता है जिसमें निजी संस्थान फर्म या कोई भी व्यक्ति एकल रूप से निक्षय मित्र बनकर टी.वी.मरीजों को पोषण सहायता प्रदान कर सकता है। उक्त कार्यक्रम में समाजसेवी आशीष पालीवाल चांवरपाठा द्वारा 10 मरीजों को पोषण सहायता एवं बीपीएम यूनिट के कर्मचारियों द्वारा आपसी सहयोग से 15 मरीजों को पोषण सहायता प्रदान कर अनूठी पहल की है।इस कार्यक्रम में डॉ रामेश्वर पटैल डॉ श्रद्धा मिश्रा विनोद प्रजापति हेमंत सोनी दीपक वाजपेयी ज्योति सेन तेजराम गोलंदाज महेश खंगार विलाल खान आदि उपस्थित रहे।

श्रुत पंचमी पर मंदिर साफ सफाई

तेंदूखेड़ा। शुक्रवार को श्री पारसनाथ महिला जैन मिलन शाखा तेंदूखेड़ा द्वारा श्रुत पंचमी के शुभ अवसर श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर की साफ सफाई एवं पुरानी और फटी जिनवाणी का रखरखाव जिनवाणी माता का पूजन किया गया कार्यक्रम में सभी वीरांगना बहनों ने पूरी भक्ति भावना के साथ बढ़-कर कर भाग लिया धार्मिक भावना से ओत-प्रोत इस कार्यक्रम में अध्यक्ष वीरांगना अरूणा शाखा मंत्री रानू स्वदेशी कोषाध्यक्ष प्रीति मोदी मनीषा श्रद्धा अल्पना मोदी राजश्री मंदिर मैं उपस्थित रहीं।

पोषणयुक्त मध्यान्ह भोजन को बढ़ावा देने के लिए आयोजित कुकिंग प्रतियोगिता

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत विकासखंड स्तर पर कुक कम हेल्पर्स की कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन विकासखंड मुख्यालय चावरपाठा में हुआ। सरस्वती के पूजन के साथ शुरू हुई इस प्रतियोगिता में विभिन्न शालाओं में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था से जुड़ी स्वसहायता समूहों की कुक कम हेल्पर्स ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। विद्यालयों में बच्चों को दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन में स्थानीय खाद्य सामग्री मिलेट्स दालों एवं अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों का उपयोग बढ़ाना तथा स्वादिष्ट स्वच्छ एवं पोषणयुक्त व्यंजनों के निर्माण को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में करीब 45 स्वसहायता समूहों की प्रतिभागियों ने अपनी पाक कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विविध प्रकार के स्वादिष्ट एवं पौष्टिक व्यंजन तैयार किए। व्यंजनों में स्थानीय स्वाद के साथ स्वास्थ्यवर्धक तत्वों का भी विशेष ध्यान रखा गया। निर्णायक समिति ने सभी व्यंजनों का स्वाद पौष्टिकता स्वच्छता प्रस्तुतीकरण एवं स्थानीय सामग्री के उपयोग के आधार पर मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पड़रिया समूह ने प्रथम स्थान बरमान समूह ने द्वितीय स्थान तथा खुलरी समूह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।विजेता प्रतिभागियों कोपुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार नवाचार और गुणवत्ता के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष शोभरन ठाकुर सरपंच संघ अध्यक्ष ओमप्रकाश पटेल बेनी प्रसाद लोधी अजय द्विवेदी सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।इस अवसर पर बीआरसी बीईओ अतिरिक्त परियोजना अधिकारी जन शिक्षकों तथा आजीविका मिशन के सदस्य एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन एवं पोषणयुक्त भोजन के महत्व पर जागरूकता संदेश के साथ हुआ।